समाज शिल्पी दम्पत्ति

'समाजसेवी बहुउद्देशीय शिल्पी दम्पति' यह एक नई परिकल्पना है, जो साकार हो रही है चित्रकूट में श्री नानाजी देशमुख की देखरेख में। दीनदयाल रिसर्च इंस्टीट्यूट के तत्वावधान में। इस योजना का मुख्य उद्देश्य है कि भारत के गांवों को शिक्षा व स्वावलम्बन की तरफ ले जाया जाये। इस समय यह योजना करीब 80 गाँवों में चल रही है, जिसमें कुछ सालों में करीब 500 गांव, जो चित्रकूट के 80 किलोमीटर के घेरे में आते हें, विकसित होंगे। चित्रकूट वह स्थान है जो मर्यादा पुरुषोत्तम राम की कर्मभूमि रही है। उन्होंने वहां पर वनवास के 14 वर्षों में से 12 वर्ष व्यतीत किये थे।

हमें यह सौभाग्य मिला है कि हम नानाजी के साथ चार दिन चित्रकूट में रहे और उनसे रोज सुबह शाम बातचीत भी कर पाते थे। इससे पहले दिल्लीमें उनसे मिले थे, कुछ मिनटों के लिए।

इस योजना की मुख्य बात यह है कि समाज शिल्पी दम्पति नये समाज का सृजन करें, जैसे शिल्पकार अपने विचार के अनुरूप मूर्ति को बनाता है। उसी तरह समाज शिल्पी समाज का सृजन करेंगे। पर कौन करेगा यह सृजन? वही कर सकता है जो इतनी शक्ति रखता है। कौन इतनी शक्ति रखता है रामसीता के समान? समाज में नवयुवक व नवयुवतियां और उनके दाम्पत्य जीवन से जो शान्ति पैदा होती है वह है, **उनके दाम्पत्य जीवन, गृहस्थ आश्रम,** जो हमारे शास्त्रों के अनुसार **सबसे अच्छा आश्रम है,** जो खुद अपने परिवार की अपने पूर्वजों की अपने आने वाली पीढ़ी की तथा समाज का भी भरण-पोषण करता है। नानाजी ने इन नव दम्पत्तियों को समाजशिल्पी का नाम देकर उन्हें समाज के सृजन की प्रेरणा देकर उनसे एक वचन लिया कि वह एक गाँव में 5 साल रहकर उसे उन्नति के मार्ग पर ले जायेंगे। पारिश्रमिक कम होगा मात्र 3000/-रुपये प्रतिमास ताकि वह गाँव में गाँव वालों जैसे रह सकें पर इसके लिए इन शिल्पियों को ग्रेजुएट होना जरूरी है। हमें ऐसे समाजशिल्पी दो दम्पत्तियों से मिलने का मौका मिला। एक उ0प्र0 में, दूसरा म0प्र0 में था। ऐसे 32 जोड़े कार्यलिप्त हैं और एक बैच 20 समाजशिल्पियों का अब तक और तैयार हो गया होगा चित्रकूट में।

—रश्मि उमेश रोहतगी
24161 नीलन ड्राईव नौवी(मि०) सं०रा०अ० 48374-3754
248-471-5786 e-mail : rurohatgi@yahoo.com
website : www.rurohatgi.com